IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 2, January 2023
Impact Factor: 7.301

मुगल सेना के अस्त्र–शस्त्र

डॉ. सुखेन्द्र सिंह
अतिथि विद्वान इतिहास विभाग
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमरपाटन, जिला सतना (म.प्र.)

शोध–सारांशः अस्त्र–शस्त्र उतने ही प्राचीन हैं जितनी कि मानव सभ्यता। इसका जन्म मानव की अपनी सुरक्षा करने की भावना के साथ ही हुआ। समय के साथ–साथ और आवश्यकतानुसार इनका स्वरूप परिवर्तित और विकसित होता रहा है। आजकल मारक और सामूहिक संहार के लिए प्रयुक्त होने वाले अस्त्रों का युग है, जिनके प्रयोग सभ्यता और विश्व के अस्तित्व को ही खतरा उत्पन्न हो गया है। पुरातन काल में भी अनेक ऐसे ही मारक शस्त्रास्त्रों का वर्णन आता है जिनका उपयोग दिव्य शक्ति के रूप में किया जाता था। इस शोध पत्र में उक्त बिन्दुओं को शामिल किया गया है।

मुख्य शब्दः मुगल सेना, अस्त्र–शस्त्र, भारत, अथियार, युद्ध–साधन, सुरक्षात्मक, आक्रामक आदि।